22-23

Impact Factor-8.575 (SJIF) ISSN-2278-9308

B.Aadhar

Single Blind Peer-Reviewed & Refreed Indexed

Multidisciplinary International Research Journal

January-2023

(CCCLXXXVI) 386(C)

SHIVAJI COLLEGE HINGOLI

NATIONAL EDUCATION POLICY 2020

QUALITY ENHANCEMENT IN HIGHER EDUCATION

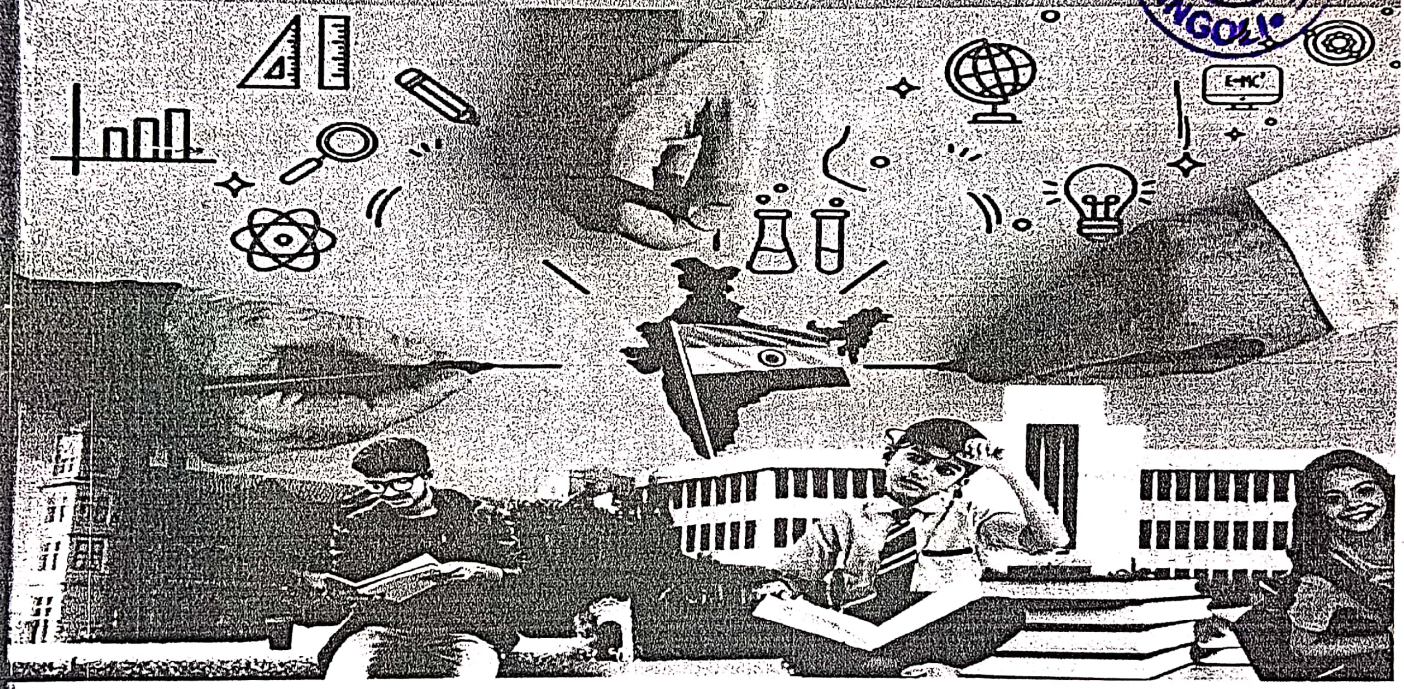

Chief Editor
Prof. Virag S. Gawande
Director
Aadhar Social
Research & Development
Training Institute Amravati

Editor
Dr. Vilas Aghav
Officiating Principal
Associate Professor & Head
Department of Political Science.
Adarsh Mahavidyalaya, Hingoli Dist. Hingoli

B.Aadhar

This Journal is indexed in :
- Scientific Journal Impact Factor (SJIF)
- Cosmos Impact Factor (CIF)
- International Impact Factor Services (IIFS)

For Details Visit To : www.aadharsocial.com Aadhar P

T.C

Assistant Professor
Shivaji College, Hingoli.
Tq.& Dist.Hingoli (MS.)

272

Impact Factor-8.575 (SJIF) ISSN-2278-9308

SHIVAJI COLLEGE HINGOLI

B.Aadhar

Single Blind Peer-Reviewed & Refreed Indexed

Multidisciplinary International Research Journal

January-2023

(CCCLXXXVI) 386

NATIONAL EDUCATION POLICY 2020
QUALITY ENHANCEMENT IN HIGHER EDUCATION

Chief Editor
Prof. Virag S. Gawande
Director
Aadhar Social
Research & Development
Training Institute Amravati

Editor
Dr. Vilas Aghav
Officiating Principal
Associate Professor & Head
Department of Political Science.
Adarsh Mahavidyalaya, Hingoli
Dist. Hingoli

Executive-Editors
Dr. Sachin L. Patki
Dr. Prashantkumar P. Joshi
Adarsh Mahavidyalaya,
Hingoli Dist. Hingoli

This Journal is indexed in :
- Scientific Journal Impact Factor (SJIF)
- Cosmos Impact Factor (CIF)
- International Impact Factor Services (IIFS)

T.C
Lecturer
Shivaji College, Hingoli
Tq.& Dist.Hingoli (MS.)

Aadhar International Publication
For Details Visit To : www.aadharsocial.com

Scanned with OKEN Scanner

Impact Factor – 8.575
ISSN – 2278-9308

SHIVAJI COLLEGE HINGOLI

B.Aadhar

Peer-Reviewed & Refereed Indexed

Multidisciplinary International Research Journal

January -2023

ISSUE No - (CCCLXXXVI) 386

NATIONAL EDUCATION POLICY 2020 QUALITY ENHANCEMENT IN HIGHER EDUCATION

Prof. Virag.S.Gawande
Chief Editor
Director
Aadhar Social Research &, Development
Training Institute, Amravati.

Dr. Vilas Aghav
Editors ,
Officiating Principal,
Associate Professor & Head
Department of Political Science.
Adarsh Mahavidyalaya, Hingoli Dist. Hingoli

Dr. Sachin L. Patki
Dr. Prashantkumar P. Joshi
Executive-Editors
Adarsh Mahavidyalaya, Hingoli Dist. Hingoli

T.C
Lecturer
Shivaji College,Hingoli
Tq.& Dist.Hingoli (MS.)

Aadhar International Publication
For Details Visit To : www.aadharsocial.com
© All rights reserved with the authors & publisher

Scanned with OKEN Scanner

23	नवीन शैक्षणिक धोरण 2020 आणि उच्च शिक्षणातील बदल प्रा. डॉ. रामदास धो. मुकटे	85
24	नवे शैक्षणिक धोरण - आव्हान आणि संधी विशाल डोळे	89
25	नवीन शैक्षणिक धोरण आणि सर्जनशीलता डॉ. महेश्वर मंगनाळे	95
26	राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरण महाविद्यालयाचे क्लस्टरींग आणि स्वायत्तता डॉ. घन आनंद लक्ष्मीकांत	98
27	राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरण 1986 व 2020 च्या उद्दिष्टांच्या तौलनिक अभ्यासात मराठी भाषेचा वाढता प्रभाव व अध्यायनातील सकारात्मकता प्रा. अरुण कुमार पाम्पटवार	104
28	NEP 2020: बहुविद्याशाखीय उच्च शिक्षणाच्या दिशेने बालाजी कोटकर	107
29	राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरण-2020: उच्च शिक्षणातील गुणवत्ता वाढ; चारवर्षाच्या पदवी अभ्यासक्रमा व दर्जेदार शैक्षणिक संशोधन पवन उत्तम पडघान , डॉ. प्रशांतकुमार जोशी	109
30	राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरण-2020: समस्या आणि आव्हाने मनिषा संतोषराव बोरकर , किरण हनुमंतराव सूर्यवंशी	116
31	राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरण 2020 भारतीय भाषा कला आणि संस्कृतीला प्रोत्साहन कीर्ती नारायणराव पंडित	120
32	नई शिक्षा निती 2020 प्रा.डॉ. सोळंके नवीन केशवराव	125
33	राष्ट्रीय शिक्षा नीती में शिक्षकों की भूमिका डॉ. भुसारे सुनंदा रामचंद्र	128
34	राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० : बहुभाषिकतावाद और भाषा की शक्ति—एक अनुशीलन डॉ. संजीवकुमार नरवाडे	131
35	नई शिक्षा नीति में हिंदी भाषा की उपयोगिता प्रा. तुकाराम वसराम आडे	136

T.C
Lecturer
Shivaji College,Hingoli
Ta.& Dist.Hingoli (MS.)

Scanned with OKEN Scanner

.Aadhar' Peer-Reviewed & Refereed Indexed Multidisciplinary International Research Journal
Impact Factor -(SJIF) –8.575, Issue NO, (CCCLXXXVI) 386- C
ISSN : 2278-9308
January, 2023

SHIVAJI COLLEGE HINGOLI

राष्ट्रीय शिक्षा नीती में शिक्षकों की भूमिका

डॉ. भुसारे सुनंदा रामचंद्र
तत्त्वज्ञान विभाग शिवाजी महाविद्यालय हिंगोली

राष्ट्रीय नई शिक्षा नीती 2020 अत्यंत महत्त्वपूर्ण कदम शिक्षा के क्षेत्र में माना जाएेगा | भारतीय पारंपरिक शिक्षाको लेकर आजकी नई तांत्रिक शिक्षातक संपूर्ण बदला इसमें पाए जाएगें | भारतीय पारंपरिक शिक्षाके क्षेत्र मे यह नया सैलाबसी नई शिक्षा नीती आयी है | भारतीय पारंपरिक शिक्षा के क्षेत्र में जो काही सालो से बवार मच गया था थमानेके लिए नई शिक्षा नीती का प्रावधान है | जैसे की शिक्षा के क्षेत्र में अब नसेसे अनेको आर्थिक अपहार की घटनाए सामने आने लगी है | इसे कही भी गुरु शिष्य के संबंधमें नही दर्शाया जाएगा | क्योंकी इसमे गुरु गुरु नही रहा और शिष्य शिष्य नही रहा है | भारतीय समाज मे जो इस तरह का झुठापण आया है उसे समाप्त करने के लिए नई शिक्षा नीती का प्रावधान है | इसमे छात्र का सर्वांगीण विकास महत्त्वपूर्ण माना गया है | नई शिक्षा नीती मे छात्र के सामाजिक, राजकीय, मानसिक स्तर का उन्नयन करने का प्रावधान देखा रखा गया है | राष्ट्रीय शिक्षा नीती का लक्ष्य है संपूर्ण स्तर के बच्चोंको एक समान शिक्षा दि जानी चाहिए | जिसकी जो अभिरुची बने उस हिसाब से उसका कार्य रहना चाहिए | सांस्कृतिक अंगकारभी अविष्कार होना चाहिए | इस बात पर नही शिक्षा निरंतर विचारविर्श करती आई है |

बच्चोंके बौद्धिक विकास के साथ उनका सर्वांगीण विकास अभिप्रेत है | अधिक तर विकलांग बच्चोंके पढाई पर भी विशेष ध्यान दिया गया है | क्रीडा के या खेल के बारे में नई शिक्षा निती में मार्गदर्शन किया गया है | प्रस्तुत शोध पत्र में इन सभी विषयोपर विचार किया जानेवाला है |

भारत हिंदुस्तान एक ऐसी सियासत है जहाँ पर हर जाती धर्म के लोग एक साथ रहते है | वैसे ही हिंदुस्थानका इतिहास भी वैसाही है | जहाँकी मिट्टी मे समजदारी है | प्राचीन भारत का इतिहास देखे तो यह पता चलता है की अति प्राचीन कालसे यहा पर रहनेवाले लोग सहिस्नु है | शिक्षा के बारे मे बात करते समय हमे यह पता चलता है कि सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, नैतिक स्थिती के बारेमे हम जब अति प्राचीन भारत का विचार करते है तो ये बात जहेनमे आती है कि यहा की संस्कृति महान है | यहा पर शिक्षा के क्षेत्र में अति प्राचीन काल से आर्यभट्ट, आर्य चानाक्य, कौटिल्य जैसे विद्वान थे | यहा पर नालंदा तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय भी थे | यांनी भारत में प्राचीन काल से गुरुकुल पद्धती के माध्यमसे शिक्षा दी जाती थी और विश्वविद्यालय भी यहा पर थे | जो ज्ञान के क्षेत्र में बडी एेहम भूमिका निभाते आये है भारत हिंदुस्तान एक ऐसी सियासत है जहाँ पर हर जाती धर्म के लोग एक साथ रहते है | वैसे ही हिंदुस्थानका इतिहास भी वैसाही है | जहाँकी मिट्टी मे समजदारी है | प्राचीन भारत का इतिहास देखे तो यह पता चलता है की अति प्राचीन कालसे यहा पर रहनेवाले लोग सहिस्नु है | शिक्षा के बारे मे बात करते समय हमे यह पता चलता है कि सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, नैतिक स्थिती के बारेमे हम जब अति प्राचीन भारत का विचार करते है तो ये बात जहेनमे आती है कि यहा की संस्कृति महान है | यहा पर शिक्षा के क्षेत्र में अति प्राचीन काल से आर्यभट्ट, आर्य चानाक्य, कौटिल्य जैसे विद्वान थे | यहा पर नालंदा तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय भी थे | यांनी भारत में प्राचीन काल से गुरुकुल पद्धती के माध्यमसे शिक्षा दी जाती थी और विश्वविद्यालय भी यहा पर थे | भारत हिंदुस्तान एक ऐसी सियासत है जहाँ पर हर जाती धर्म के लोग एक साथ रहते है | वैसे ही हिंदुस्थानका इतिहास भी वैसाही है | जहाँकी मिट्टी मे समजदारी है | प्राचीन भारत का इतिहास देखे तो यह पता चलता है की अति प्राचीन कालसे यहा पर रहनेवाले लोग सहिस्नु है | शिक्षा के बारे मे बात करते समय हमे यह पता चलता है कि सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, नैतिक स्थिती के बारेमे हम जब अति प्राचीन भारत का विचार करते है तो ये बात जहेनमे आती है कि यहा की संस्कृति महान है | यहा पर शिक्षा के क्षेत्र में अति प्राचीन काल से आर्यभट्ट, आर्य चानाक्य, कौटिल्य जैसे विद्वान थे | यहा पर नालंदा तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय भी थे | यांनी भारत में प्राचीन काल से गुरुकुल पद्धती के माध्यमसे शिक्षा दी जाती थी और विश्वविद्यालय भी यहा पर थे | जो ज्ञान के क्षेत्र में वडी एेहम भूमिका निभाते आये है | जिस कारण भारत मे प्राचीन कालसे अनेक खोज, वैज्ञानिक संशोधन का यह विश्वविद्यालय बन चुके थे | परिणामवश भारत ज्ञान के क्षेत्र मे एक समय मे बलाढ्य देश माना जाता था | वैदिक काल मे यह मैत्रीथी गार्गी जैसी विदुषी भी हुआ करती थी | पर मध्ययुगीन कालमे भारतीय राजकीय अवस्था विकट वनती गयी | हिंदुस्तानपर कोई परकीय आक्रमण भी हुए | जिस कारण वश समाजमे सांस्कृतिक, जातीय विभाजन हुआ | समाज मे शोषक और

T.C
Lecturer
Shivaji College Hingoli
Tq.& Dist.Hingoli

Scanned with OKEN Scanner

शोषित वर्ग तयार हुआ | जिस कारण व समाज मे दुही पैदा हुई | शोषक वर्ग ने शोषित वर्ग के पूरे अधिकार मानो छिनही लिए | यहा तक की धन संचय का अधिकार छिना, शिक्षा का अधिकार छिना | कुछ वर्ग को समाज के मुख्य प्रवाह से अलग कर दिया गया | जो परिणामवश बिछडे जातीके लोग कहलाने लगे | ऐसा अलग कर दिया गया समाज अज्ञान के अंदकार मे चला गया |

महाराष्ट्र मे ज्योतिराव फुले, राजर्षी शाहू महाराज, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर जैसे समाजसुधारकोने इस कार्य को अपना पुरा जीवन अर्पित किया | की बहुजन वर्ग के, पिछडे वर्ग के लोग भी शिक्षा प्राप्त कर सके | जब जब शिक्षाकी बात निकलेगी तब तब इन तीन समाजसुधारको की उद्धार विना पुरी ही नही हो पायेगी | समाज के अज्ञान, आंधश्रद्धा मे छोडकर एक शोषिक समाज आपणास स्वर्थ पुरा करणे मे जुडा था | मानवता भुलकर उसे तिलांजली दि गयी थी | महाराष्ट्र मे महिलाओंके लिए जो अथक कार्य महात्मा ज्योतिराव फुलेने किया वह अजोड कार्य है | जिस कारण आज भारी संख्यामे महिलाए हर क्षेत्र में आगे आती दिख रही है | उन्हीके मार्ग पर चलते हुए छत्रपती राजर्षी शाहू महाराजने भी अपने कार्य कालमे सुधारनात्म कार्य किया | राजर्षी छत्रपती शाहू महाराजने हरीजनों के लिए पीनेका पाणी खुला किया, वसतीगृह खोले | हरिजन या दलित माने जाने वाले जातीके लोगों को नोकरी मे आरक्षण दिया | जीवनभर पिछडे लोगोंके कल्याणके लिए ही वे कार्य करते रहे | उन्ही की विचारधारा पर चलते हुए आगे चलते डॉ. बाबासाहेब आंबेडकरने भी आपणा कार्य किया | शिक्षा के संदर्भ मे उन्होने निरंतर कष्ट किये | क्योंकी उन्हे खुदको भी पढाई करते समय अनंत कष्ट सहने पडे थे | अस्पृश्यता के कारण समाजमें जीवनभर जो उन्हे खुद को सहना पडा उसे वे परिचित थे | उनका यह मानना था की मुझे समाज मे जो मान सन्मान है वो मिलता नही है | तो जो अस्पृश्य है, जो अंत्यज है, जो हरिजन है उन्हे कैसे जिना पडता होगा | ये बात सोचकर वे अस्वस्त हो जाते थे | अपने जीवन मे उन्होने शिक्षा के संदर्भ मे वरिष्ठ वर्ग से बहुत अत्याचार सहा है | उसे सामने रखते हुए उन्होने शिक्षा के क्षेत्र में जो बदलाव लाए☺ वो आजभी उतनेही महत्वपूर्ण है | जितने उस समय थे | भारती संविधान मे डॉ. बाबासाहब आंबेडकरने शिक्षाको मूलभूत अधिकार बताया है | इसीलिए जब भी शिक्षा की बात चलेगी तो बाबासाहबको याद किए☺ बिना पुरी ही नही हो सकती | अन्न, वस्त्र, निवास यह मनुष्य के मूलभूत अधिकार माने जाते है | वैसे ही शिक्षाभी मनुष्य का मूलभूत अधिकार है ऐसे डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर कहते थे | तो यह बात संवैधानिक होती है | और जो संवैधानिक हो उसके बारे मे गंभीरता से सोचना, उसके मुताबिक अनुसरण करता भी महत्वपूर्ण बात है |

भारतीय शिक्षा के संदर्भ मे अनेक विव्दानोने अपने विचार प्रगट किए है | महात्मा गांधी कहते है "शिक्षा सर्वांगीण होनी चाहिए | तो स्वामी विवेकानंदने शिक्षा को बौद्धिक विकास कहा है | विनोबा भावेने भी बौद्धिक और मानसिक विकास को ही शिक्षा कहा है | महात्मा गांधी का मानना था की "बौद्धिक, मानसिक और शारीरिक विकास याने शिक्षा" | जब समाज मे सुधार लानेकी थानी होती है | तब इस विचारोसे ही प्रेरणा लेकर समाजोन्नती की बात होती है | या करणी चाहिए | वैज्ञानिक विकासको मद्देनजर रखते हुए हमे यह थान लेणी चाहिए की जागतिक विकासके संदर्भ के अनुसार भारत के पीछे वर्गो और जातीयामें भी कितना बडा बदलाव लाना पडेगा | भारतवर्ष मे अनेक प्रकारके जनजातीके पिछडे हुए लोग रहते है | भारत एक अखंड और विस्तृत राष्ट्र होणेके कारण और विविध जाती-धर्म के लोग होणे के कारण यहा शिक्षानीती को अमलमे नाते समय अनेको अडचणी आयेगी | विकसित शहर, विकसनशील शहर, अविकसित गांव, पाडोमे शिक्षा को लाते समय इस देश मे अनेक बाधाये आ सकती है |

सर्वांगीण विकास तो करना ही है पर जो विविधता है उसके साथ करना है | समाज मे सकारात्मक बदलाव लाना है | उच्चतम स्तर और पिछडे वर्गोको जोडना है, एक साथ लाना है | अनेक सालोसे जो अलग अलग रहते आए है उन लोगोंको एकसाथ एकही माला मे फिरोना है | तो दिखते आ ही सकती है | उन दिक्कतोंका सामना भी करना है | समाज के नीचले स्थर तक जा पोहचना है |शिक्षा देते समय या समाज शिक्षित बनाते समय बडी बडी चुनौतीया आने वाली है | उनसे निपटना है | समाज के सभी वर्ग के बच्चोका पढाते समय उनका बुद्ध्यांक भी ध्यान मे रखना है क्युकी समाजके सभी बच्चोका बुद्ध्यांक एक जैसा नही होगा | वैसेही हर एक की, अभिरुचीभी विभिन्न विभिन्नताओंसे भरी होगी | उस पर भाषा, प्रांत, अभिरुची को देखते चलते समय इस राष्ट्रीय नंही शिक्षा निती के सामने अनेक चुनौतिया होगी | उन्हे पुरा करते समय अध्ययन प्रक्रिया मे जो महत्वपूर्ण घटक है उसमे शिक्षक पहला और दुसरा विद्यार्थी होता है | इस कारण शिक्षा को द्विध्रुवीय प्रक्रिया कही जाती है | नई शिक्षा नीती 2020 के संदर्भ मे विचार करते समय भारत जैसे महाकाय और विविधताओसें भरे देश को समान रखते हुए विचार करते समय अनेक अडचणे समस्याए खडी दिखाई देने लगती है |

शालेय पाठ्यक्रमके साथ ही विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में भी भारतीय उच्चतर शिक्षा व्यवस्था लाई जाएगी | अंतरविद्या शाखा पद्धती लाने का प्रावधान शिक्षानीति का है | अलग अलग शाखाओ के छात्र एकही समय सभी शाखाओं के विद्यार्थी वन सकते है |एक ही छात्रने कला शाखा मे दर्शनशास्त्र का विद्यार्थी है तो वही विद्यार्थी

SHIVAJI COLLEGE HINGOLI
T.C
Lecturer
Shivaji College, Hingoli
Ta.& Dist.Hingoli (MS.)

Scanned with OKEN Scanner

SHIVAJI COLLEGE HINGOLI

कोई समय विज्ञान शाखा मे जीशास्त्रका भी अध्ययन कर सकता है | इस तरह की उच्चशिक्षा हासिल करते समय उच्चशिक्षामें मे भी समता और समावेश | उद्योगशील पाठ्यक्रम बनाया जायेगा जिससे कोई भी स्नातक बेरोजगार नही होगा | ग्रामीण और शहरी छात्रोंमे अंतर नही रहेगा | क्योंकी सबके लिए एक ही पाठ्यक्रम रहेगा | और यह सब कुछ करते हुए भी विभिन्न भारतीय भाषा और संस्कृतियों का संवर्धन किया जाएगा | मुख्यतः हर एक छात्र को अपनी अपनी मातृभाषामे अपनी पढाई पूर्ण करणेका संपूर्णतः हक्क रहेगा | यांनी हर छात्रको जिस भाषामें अच्छेसे अकलन हो सके उसी भाषा में उसे पढाया जाएगा | उसी तरह जिस अपाहीज छात्र को जो और जिस प्रकारकी सुविधा आवश्यक है वैसे सुविधा उसे उपलब्ध कर देणेकी जिम्मेदारी उस संस्था की रहेगी | जिस योग्यता की दर्जेकी छात्रको शिक्षा चाहिए होती है | उस योग्यता यानी विशेषता के शिक्षक था अध्यापक हर छात्रको देना उस महाविद्यालय की जिम्मेदारी रहेगी |

इस विज्ञान युग मे हर छात्रको ऑनलाईन और डिजिटल सुविधा मिलना अनिवार्य है | समाजके नीचले स्तर के हर एक छात्र को ऑनलाइन शिक्षा मिलनी जरुरी है | कोविड के कारण जो ऑनलाईन अध्यापन पद्धती सुरू हो चुकी है वह अब बच्चे का घर बैठे ही किसीभी क्षेत्रकी जानकारी लाने लगा है | उसकी यह मांग पुरी करने के लिए शासन संस्था को जो भी प्रयास करने पडेंगे वह वे करले | पर जो अंध है उसके लिए ब्रेल लिपी, जो पैरोसे विकलांग है उनको व्हीलचेअर की सुविधा, जो छात्र मूक-बधिर है उसे उसी तरह के शिक्षक उसे उपलब्ध कर देने की जिम्मेदारी शासन संस्था उद्योग-मूलक शिक्षा का भी प्रावधान रखा गया है |

इन सभी संस्थाओं को सही तरीकेसे चलाने के लिए शासन संस्था के अधिकारी नियुक्त किए जायेंगे | जिनके माध्यम से किस योजना का अमल ठीक से होता भी है या नही इसके बारे मे काम किया जायेगा | इस माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाएगी | इसी अंतर्गत प्रौढ शिक्षा और जिवंतपर्यंत शिक्षा यह लक्ष रखा जाएगा | जिसे पुरा करने के लिए हर स्तर पर कार्य करना पडेगा |

इस प्रकार नई राष्ट्रीय शिक्षा नीती है | जो अत्यंत प्रभावी रूप से कार्यान्वित की जाने वाली है | जिसके माध्यम से समाज के हर स्तर के हर एक बच्चे को शिक्षा मिलेगी क्योंकी शिक्षा एक मानव का मूलभूत अधिकार है | ऐसे डॉ. बाबासाहेब आंबेडकरने कहा है | उस लक्षको पूरा करने के लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा निती 2020 कटीबध्द रहेगी |

संदर्भ सूची :-

1) 1.3) प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा : सीखने की नीव | पृष्ठ 91
2) 2.2) बुनियादी साक्षरता एवं संख्या-ज्ञान: सीखनेके लिए एक तत्कालीक आवश्यकता और पूर्वशर्त | पृ.11
3) 3.1) ड्रॉपआउट बच्चो की संख्या कम करना और सभी स्तरोपर शिक्षा की सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करना | पृ.14
4) 6.1) समता मुलक और समावेशी शिक्षा : सभीके लिये अधिकमा | पृ.38
5) 7.1) स्कूल, कॉम्प्लेक्स/ क्लस्टरके माध्यमसे कुशल संसाधन और प्रभावी गव्हर्नेस| पृ.44
6) 9.1) गुणवत्ता पूर्ण विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय : भारतीय उच्चतर शिक्षा व्यवस्था हेतू एक नया और भविष्योंमुखी दृष्टिकोण | पृ.52

T. C

Assistant Professor
Shivaji College,Hingoli.
Tq.& Dist.Hingoli.(MS.)

Scanned with OKEN Scanner